QN. NO	ANNUAL EXAMINATION 2021- 2022 STANDARD IX – HINDI- ANSWER KEY Prepared by Anandakrishnan Edacheri, HST(Hindi) GHS Munnad Kasaragod
1	वह
2	पंख
3	पटकथा - (पक्षी और गाडीवाले का अंतिम मिलन) दृश्य - 1 स्थान : गाँव का रास्ता, एक पेड़ के नीचे। समय : सुबह 9 बजे पात्र : पक्षी और गाडीवाला। (पक्षी के शरीर पर पंखों की संख्या बहुत कम, गाडीवाला (उम्र 50 वर्ष) धोती और बनियन पहने हैं। घटना का विवरण : नौजवान पक्षी दीमकें इकट्ठा करके गाडीवाले का इंतज़ार करने पर एकाएक वह गाडीवाला दिखाई देता है। पक्षी ज़ोर से पुकारता है। संवाद पक्षी : अरे गाडीवाला, तुम आ गए। मैं कब से तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था। गाडीवाला: मैं कुछ दूर दीमकें बेचने गया था। जल्दी आओ, पंख देकर पक्षी : अब उसकी ज़रूरत नहीं देखो मैंने कितनी सारी दीमकें कर ली हैं। गाडीवाला :तो मैं क्या करूँ? पक्षी: ये मेरी दीमकें ले लो और मेरे पंख मुझे वापस गाडीवाला :(हँसकर) बेवकूफ, मैं दीमक के बदले पंख लेता पंख के बदले दीमक नहीं। पक्षी :हे भगवान! यह बड़ा धोखा हो गया। गाडीवाला: धोखा नहीं यार। यह तो सौदा है। (गाडीवाला वहाँ से चला जाता है। पक्षी दुखी होकर निराशा के साथ ज़मीन पर बैठ जाता है। OR टिप्पणी मुक्तिबोध की पक्षी और दीमक कहानी के मुख्य पात्र नौजवान पक्षी नई पीढी का प्रतिनिधित्व

	करता है। वह बहुत ऊँचाई पर उडनेवाले तेज़ निगाहवाला पक्षी था। आलसी स्वभाव का होने से वह परिश्रम के बिना भोजन पाना चाहता है। दीमकों के शौक के कारण वह जल्दी व्यापारी के प्रलोभन में फँस जाता है। अपने भविष्य और अस्तित्व के बारे में सोचे बिना वह अपना पंख देकर गाडीवाले से दीमकें खरीदकर खाता है। पंख निकालकर देने की अपनी दर्द को वह सह लेता है। पिता के उपदेश को भी वह नकारता है। सब कुछ खोने पर वह अपनी गलती समझता है। लेकिन तब तक उसका अस्तित्व नष्ट हुआ था। फिर भी खोए हुए अस्तित्व फिर से पानेकी कोशिश करता है, पर वह धोखा खाता है। कहानी में तात्कालिक सुविधा केलिए अपना अस्तित्व नष्ट करनेवा पक्षी का चरित्र चित्रण अत्यंत मार्मिक रूप से किया है।
4	फिजूल खर्च
5	2021 अकतूबर 2 गाँधी जयंती समारोह संगोष्ठी विषय: जिंदगी मे सादगी का महत्व स्थान: जी. एच . एस कासरगोड समय : सुबह दस बजे आएँ ! भाग लें ! सादगी का महत्व समझें ! *** सादा जीवन और उच्च विचार***
6	ब्राउन की
7	ब्राउन एक क्रूर अफ़सर होने पर भी कवियों का प्यार औरआदर करने वाला था | गालिब और पडोसी लोग कविता लिखनेवाले होने के कारण ब्राउन ने उन्हें छोडने का निर्देश दिया |

	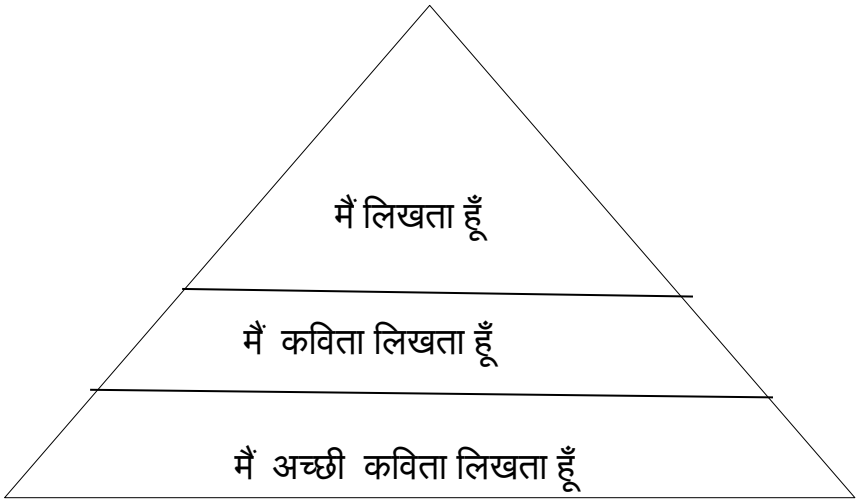
8	टी वी देखने के लिए |
9	2022 मार्च 25 शुक्रवार आज मेरे लिए खुशी और संकट का दिन है | गोपू और लल्लू के साथ मैं मनोहर चाचा के घर टी. वी देखने गई | बडी कठिनाइयाँ झेलकर वहाँ पहुँची |पर चाचा ने जब टी. वी चलाया तो बिजली छूट गई | क्या करूँ | हम घर लौटे चले | घर लौटने पर माँ बहुत क्रुद्ध हुई |फिर शांत हुई | आगे मैं इस तरह माँ से कहें बिना कहीं भी कभी नहीं जाऊँगी |
10	सुंदर
11	" इस बच्ची ने तो मुझ नंगे पैर को जूते दिए | उसके पैर नहीं है | वो मैं कैसे दे सकूँगा ? ‘‘ or बेबी ने मन ही मन निश्चय किया कि वह पोस्टमैन को नंगे पैर चलने नहीं देगी | इसलिए उसने उपहार के रूप में पोस्टमैन को जूते का बंडल थमा दिया |
12	प्रिय मित्र राहुल, तुम कैसे हो ? मैं यहाँ कुशल हूँ।एक विशेष बात बताने के लिए ही मैं यह पत्र लिखता हूँ । मैं अपने क्षेत्र में डाक सामग्री का वितरण करते समय एक लडकी से मिला | उसका एक पैर नहीं था | भोली भाली लडकी है ।एक दिन मैं उसके घर में चिट्ठी देते समय उसने मेरा नंगा पैर देखा | उस लडकी का नाम बेबी हैं | बेबी ने मेरे नंगे पैर जूते

	पहनाने का निश्चय किया	एक दिन उसने उपहार के रूप में मुझे जूता दिया	मुझे दुःख हुआ |बेबी ने मुझे जूता दिया, पर मैं उसे पैर कैसे दूँ	इस विचार से मैं पसोपेश में पड़ गया	मैं ने बड़े बाबु से लाइन बदल देने की प्रार्थना की | क्या करूँ ? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा नमस्कार कहिए	पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में, तुम्हारा प्रिय दोस्त (हस्ताक्षर) जगन्नाथ(पोस्टमैन) सेवा में राहुल मल्होत्रा जवहर सडक मुंबई OR दूसरों से सहानुभूति रखनेवाली | हर बात का सूक्ष्म निरीक्षण करने वाली | कभी कभी अकेलेपन महसूस करने वाली | मन में पक्का निश्चय लेने वाली	
13	ग . पराजय स्वीकार नहीं किया	
14	ख. समस्याओं का सामने करने का	
15	मिट्टी के पुतले मानव ने कभी न मानी हार	
16	दुनिया एक है	
17	वाचन का महत्व पढना एक अच्छी आदत है| लेकिन यह बचपन से विकसित होनी चाहिए	वाचन आनंददायक है और यह हमारा ज्ञान को बढाता है	हमारी बुद्धि को तेज़ करता है	दुनिया के अनेक देशों का परिचय हमें वाचन के द्वारा मिल जाता है	पेड, पौधे , जानवर , पहाड आदि की विशेषता समझने के लिए हमें एसे पुस्तकों का वाचन करना है	महान व्यक्तियों की जीवनी , उनके विचार आदि भी हम वाचन से समझ सकते है	

	वाचन हमें नए विचारवाले और नवीन दृष्टिकोनवाले बनाते हैं	अंग्रेज़ी लेखक फ्रांसिस बेकन ने कहा - पढना एक पूर्ण आदमी की रचना करता है	एक अच्छा पाठक एक अच्छा व्यक्तित्व विकसित करता है | OR • भारत एक विशाल देश है | • दुनिया में बसे लोग हमारे भाई बहन है | • लोगों का हाल समझने से बड़ा आनंद मिलेगा | • दुनिया के लोगों में एकाता की भावना होनी चाहिए	
18	ख. कलाम के प्रति विशेष ममता थी	
19	बातचीत : कलाम और माँ के बीच माँ: , क्या हुआ बेटा, तू मुझे लिपटकर क्यों रो रहा है? कलाम : आपकी हिस्से की रोटियाँ मुझे क्यों दीं? माँ: तू पढाई के साथ कमाई भी करता है न? उसकेलिए तुझे ताकत तो चाहिए. . . । कलाम ; आप भूखों मरतीं तो मैं कैसे खुश रहूँगा माँ ? माँ : कोई बात नहीं बेटा, मुझे भूख नहीं लगती। कलाम :नहीं माँ मुझे पता है, आप झूठ बोल रही हैं। माँ : नहीं बेटा, मैं सच ही कहती हूँ। कलाम: आगे मैं आपको भूखी रहने न दूँगा।आज से माँ भी हमारे साथ बैठकर खाना खाएँगी । माँ : ज़रूर बेटा।अब तुम रोना बंद करके अपना काम देख	 कलाम: ठीक है माँ । OR	
	माँ ने	कलाम को रोटियाँ खिलाई	
	भाई ने	कलाम को डाँटा	
	कलाम माँ के पास	दौड़ गया	
	कलाम माँ से	लिपट गया	